# Page Three

## Classified

**Adds can be booked under these Categories : (all day publication)**

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

**Matrimonial (Sunday Only)**

**अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द**


# पुरानी पेंशन बहाली को दून में आज प्रदेशभर के कार्मिक निकालेंगे महारैली

**जिम्मेदार कौन**

- कार्मिकों से अधिक से अधिक संख्या में दून पहुंचकर महारैली में शामिल होने का किया आह्वान
- राज्य सरकार इस संबंध में जल्द ही कोई निर्णय लेगी पर अभी तक कुछ नहीं हुआ

**संवाददाता**

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर प्रदेशभर के कार्मिक कल महारैली निकालेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने कार्मिकों से अधिक से अधिक संख्या में दून पहुंचकर महारैली में शामिल होने का आह्वान किया है। आपको बता दें कि रैली में हर जनपद से करीब 1000 कार्मिकों से देहरादून पहुंचने को कहा गया है।

लंबे समय से संघर्षरत कार्मिकों ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास तक चेतावनी रैली निकालने का एलान किया है। संयुक्त मोर्चा ने रैली को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं। बड़ी संख्या में परेड ग्राउंड में एकत्र होकर कार्मिक मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच करेंगे। मोर्चा के प्रांतीय अध्यक्ष अनिल बडोनी ने बताया कि इस रैली में प्रत्येक जनपद से करीब 1000 कार्मिकों से देहरादून पहुंचने को कहा गया है।

मोर्चा के प्रांतीय महासचिव सीताराम पोखरियाल ने बताया कि लगातार सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई पहल नहीं की गई। ऐसे में कार्मिक सरकार को इस रैली के जरिये सीधी चेतावनी देने जा रहे हैं।

प्रशिक्षित बेरोजगार डिप्लोमा फार्मेसिस्ट महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष महादेव गौड़ ने बताया कि आठ दिन के आमरण अनशन के बाद मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण में जल्द सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया था। वहीं कैबिनेट मंत्री बंशीधर भगत ने धरनास्थल पर आकर अनशन खुलवाया था। ऐसे में उन्हें उम्मीद थी कि राज्य सरकार इस संबंध में जल्द ही कोई निर्णय लेगी पर अभी तक कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जब तक 536 पदों को यथावत रखने, 1368 पदों के सृजन संबंधी आदेश और रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती प्रक्रिया का विज्ञापन जारी नहीं होता है तब तक धरना जारी रहेगा। धरना देने वालों में जयप्रकाश, जगदीश, अरुण, विपुल, अलीशा, रविंद्र, कुलदीप, पमिता, राकेश, अनुज, प्रमोद, विजय आदि मौजूद थे।

## मुख्यमंत्री आवास तक चेतावनी रैली निकालने का एलान

**दिवाली के दिन भी धरने पर डटे रहे बेरोजगार फार्मेसिस्ट**

बेरोजगार डिप्लोमा फार्मेसिस्ट नियुक्ति समेत अन्य मांगों को लेकर दिवाली के दिन भी धरने पर डटे रहे। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। प्रशिक्षित बेरोजगार डिप्लोमा (एलोपैथिक) फार्मेसिस्ट विगत 19 अगस्त से एकता विहार में आंदोलनरत हैं। बेरोजगार फार्मेसिस्ट ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई त्रिस्तरीय वार्ता में आइपीएचएस के मानकों में शिथिलता प्रदान करने की सहमति बनी थी पर अभी तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

## न्यूज डायरी

### रमाड़ी में विद्युत व्यवस्था सुचारू करा दें: भगतदा

**संवाददाता** बागेश्वर। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी अपने पैतृक गांव नामतीचेटाबगड़ पहुंचे। वहां से वह शनिवार को शामा पहुंचे। जहां उन्हें लोगों की समस्याओं भी सुननी पड़ी। रमाड़ी के ग्रामीणों ने उन्हें ज्ञापन भी सौंपा और विद्युत व्यवस्था में सुधार करवाने की मांग की। रमाड़ी के ग्रामीणों ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को ज्ञापन सौंपा। कहा कि ग्राम सभा रमाड़ी के तोक चबुतरा के पास कम केवी का ट्रांसफार्मर होने के कारण बार–बार ट्रिप कर जाता है। जिसके कारण काफलगैर तोक तक विद्युत आपूर्ति नहीं हो पाती है। विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2015 से शिकायत करते आ रहे हैं। अभी तक न तो ट्रांसफार्मर बदला गया ओर न तोक माल्टवा से सिंगल फेस वायर की लीान को दुरुस्त किया गया।

### पर्वतारोही शीतल को तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवार्ड

**संवाददाता** हल्द्वानी। विश्व की सबसे ऊंची पर्वतचोटी एवरेस्ट फतह करने वाली पर्वतारोही शीतल राज को तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवार्ड 2021 से नवाजा जाएगा। 13 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द शीतल को यह अवार्ड प्रदान करेंगे। मूलरूप से पिथौरागढ़ जिले के सल्लोड़ा गांव निवासी 25 वर्षीय शीतल कुमाऊं मंडल विकास निगम के साहसिक पर्यटन अनुभाग में कार्यरत हैं। इससे पहले वर्ष 2018 में शीतल ने 8586 मीटर ऊंची माउंट कंचनजंघा चोटी पर आरोहण किया। वर्ष 2019 में उसने माउंट एवरेस्ट फतह किया। यह सफलता हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की पर्वतारोही हैं। शीतल ने 7075 मीटर ऊंची सतोपंत, 7120 मीटर ऊंची त्रिशूल समेत कई चोटियां फतह कर ली हैं।

### लंबे समय बाद रुड़की और भगवानपुर में कोरोना की दस्तक

**संवाददाता** रुड़की। लंबे समय बाद रुड़की व भगवानपुर में एक बार फिर से कोरोना ने दस्तक दे दी है। रुड़की में एक युवक व भगवानपुर में एक महिला में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिसके बाद से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थिति है। विभाग की ओर से संक्रमित के प्राइमरी व सेकेंडरी कांटेक्ट वाले व्यक्तियों की सूची तैयार की जा रही है। इन सभी की कोविड जांच कराई जाएगी। शहर के गंगनहर कोतवाली क्षेत्र की एक कालोनी निवासी युवक को खांसी, जुकाम व बुखार की शिकायत थी। लक्षणों को देखते हुए चिकित्सक ने कोविड जांच की सलाह दी थी। युवक ने तीन नवंबर को एक निजी पैथोलाजी लैब में सैंपल देकर कोविड की आरटीपीसीआर जांच कराई थी।

## अति दुर्गम क्षेत्र बांसबगड़ में खुलेगा पहला स्टड़ी सेंटर

**संवाददाता** पिथौरागढ़। सीमांत क्षेत्र में पहली समुदाय आधारित सोच स्टड़ी सेन्टर बांसबगड़ में खोली जा रही है। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई है। 'एक किताब दुनियां बदल सकती है' के नारे के साथ मुनस्यारी तथा धारचूला में भी इसी तरह के सेंटर खोलने की योजना है। जिपं सदस्य तथा सोसायटी फार एक्सन इन हिमालया के अध्यक्ष एवं निदेशक जगत मर्तोलिया ने लंबे समय से शोसियल साइटो में चर्चा में चल रही इस मुहिम को आज सार्वजनिक किया। मर्तोलिया ने बताया कि समुदाय के सहयोग से इसका संचालन किया जायेगा। सोच संस्था के साथ जिला प्रशासन तथा शिक्षा विभाग को इस मुहिम का सहयोगी पार्टनर बनाया जा रहा है।

मर्तोलिया ने बताया कि चीन सीमा से लगे अति दुर्गम क्षेत्र बांसबगड़ में पहला इस तरह का स्टड़ी सेंटर खुलेगा। उसके बाद मुनस्यारी तथा धारचूला में खोला जायेगा। मर्तोलिया ने कहा कि यह यूनिक इस मामले में है, कि इसका संचालन समुदाय करेगा। स्कूल के बच्चो तथा गांवो में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओ के लिए यह सेंटर लाभदायी होगा। अध्ययन के लिए ग्राम सुधार की किताबे भी रखी जायेगी, जो समाज का किसी उम्र का व्यक्ति भी पढ़ सकता है।

मर्तोलिया ने कहा कि जिला पंचायत के बजट को भी अब वे इन सेंटरो को सवारने के लिए खर्च करेंगे। समाज में पढ़ने की आदत पैदा करने के लिए इन सेंटरो की आने वाले समय में बड़ी भूमिका होगी।

## मैदान के लिए बढ़े यात्री, बसों का हुआ टोटा

**संवाददाता** कोटद्वार। दीपावली का त्योहार मनाने गांव आए युवा दोबारा दिल्ली सहित अन्य मैदानी क्षेत्रों का रुख करने लगे हैं। यही कारण है कि शनिवार सुबह से ही स्टेशन रोड पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ी रही। स्टेशन रोड पर यात्री घंटों बस का इंतजार करते रहे। डिपो से निकलते ही बस फुल हो जा रही थी। ऐसे में कई व्यक्तियों को मजबूरन निजी वाहन बुक कर यात्रा करनी पड़ी। दीपावली और धनतेरस से पूर्व पर्वतीय क्षेत्र के लिए जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ गई थी। ऐसे में परिवहन व जीएमओयू ने अतिरिक्त बसें चलाकर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। लेकिन, अब त्योहार खत्म होने के बाद अधिकांश व्यक्ति मैदानी क्षेत्र के लिए लौटने लगे हैं।

## आज से बड़े वाहनों के लिए खुल जाएगा गौला पुल

**संवाददाता** हल्द्वानी। 18 व 19 अक्टूबर की अतिवृष्टि में ध्वस्त हुआ गौलापार बाइपास पुल की एप्रोच रोड का हिस्सा जोड़ दिया गया है। रविवार 7 नवंबर से बड़े वाहनों के लिए सड़क खोल दी जाएगी। एनएचएआइ ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। उपखनिज से भरान के बाद सड़क पर डामर कर दिया है। सुरक्षा के लिहाज से दोनों तरफ दीवार तैयार की गई है।

दीवाली के दूसरे दिन शुक्रवार से हल्के वाहनों का आवागमन शुरू हो गया था। पुल से गाडियों का आवागमन शुरू होने से गौलापार क्षेत्र की बड़ी आबादी ने राहत महसूस की है। गौलापार वासियों को हल्द्वानी शहर आने

के लिए 16 किमी घूमकर काठगोदाम के रास्ते शहर आना पड़ रहा था।

**दो बार सड़क देखने पहुंचे थे सीएम धामी:** लगातार दो दिनों तक हुई बारिश की वजह से 19 अक्टूबर की सुबह इंदिरानगर स्थित गौला बाइपास को पुल को जोडने वाली एप्रोच सड़क बह गई थी। 12 मीटर चौड़ी सड़क का करीब 30 मीटर हिस्सा गौला में बह गया था। इसे गंभीरता से लेते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने नये पुल का जायजा लेकर सड़क 10 दिन में खोलने के निर्देश दिए थे। सांसद अजय भट्ट व कुमाऊं कमिश्नर सुशील कुमार भी मरम्मत कार्य की निरंतर फीड बैक ले रहे थे।

**तीन नवंबर को शुरू हुई थी पैदल आवाजाही:** एनएचएआइ दिनरात काम में जुटा रहा। उपखनिज का भरान करने के बाद तीन नवंबर को सड़क पैदल आवाजाही के लिए खोल दी थी। हालांकि दोपहिया वाहन चालक भी आवागमन करने लगे थे। डीएम धीराज गर्ब्याल ने बताया कि सात नवंबर से सड़क बड़े वाहनों के लिए भी खुल जाएगी। एनएचएआइ के परियोजना निदेशक पीडी शर्मा ने बताया कि पांच दिन तक एप्रोच रोड को निगरानी की जाएगी।

## गुस्साए जिला सैनिक कल्याण कर्मचारी 21 नवंबर तक सामूहिक अवकाश पर

**संवाददाता** बागेश्वर। सैनिक कल्याण व पुनर्वास विभाग के कर्मचारियों ने सामूहिक कार्य बहिष्कार का एलान कर दिया है। वह आठ से 21 नवंबर तक अवकाश पर रहेंगे। कर्मचारी नियमितीकरण व सातवें वेतनमान के लिए लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं।

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास उत्तराखंड संविदा कर्मचारियों ने शनिवार को मुख्यमंत्री और सैनिक कल्याण मंत्री को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि 28 अक्टूबर 2021 को कैबिनेट में उनकी मांगें नहीं रखी गईं। जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है। सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग में पूर्व सैनिक, वीर नारी, युद्ध दिव्यांग, सैनिक कर्मचारी वर्ष 2003 से कार्यरत हैं। सभी पूर्व सैनिक है और कर्मचारी पद के सापेक्ष विभाग ने नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर नियुक्ति दी।

कर्मचारियों को पांचवा और छठा न्यूनतम वेतनमान वर्तमान में दिया जा रहा है। कर्मचारी लंबे समय से सातवां वेतनमान एवं नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। उपनल कर्मचारियों वेतन एवं मानदेय समय–समय पर सरकार ने बढ़ाया है।